ISSN 2278 - 0327

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि का अध्ययन मुरादाबाद जनपद के सन्दर्भ में

डॉ. मोहन लाल 'आर्य'
आचार्य, शिक्षा विभाग
आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद (उ०प्र०)

रिचा अग्रवाल
शोध छात्रा, शिक्षा विभाग
आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद (उ०प्र०)

सारांश:

प्रस्तुत अध्ययन में, मुरादाबाद जिले में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि का अध्ययन में अध्ययनकर्ताओं द्वारा यह ज्ञात करने का प्रयास किया गया है कि मुरादाबाद में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि के आधार पर पुरुष और महिला प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच क्या महत्वपूर्ण अंतर है। और मुरादाबाद जिले में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि के आधार पर जनता और सरकार के बीच और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच, पांच साल से ऊपर और पांच साल से कम के शिक्षण अनुभव के बीच कोई अंतर नहीं है। प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ताओं ने डेटा संग्रह के उपकरण के रूप में एक ''भावनात्मक बुद्धि मानकीकृत प्रश्नावली'' नामक प्रश्नावली का उपयोग किया है।

बीजक शब्द: भावनात्मक बुद्धि, आत्म-जागरूकता, आत्म-विकास, भावनात्मक स्थिरता

प्रस्तावना:-

यह एक सर्वस्वीकृत तथ्य है कि राष्ट्र की गुणवत्ता उसके नागरिकों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता पर निर्भर करती है, जो बदले में उसके 'शिक्षकों की गुणवत्ता' पर निर्भर करती है। शिक्षकों की गुणवत्ता शब्द में एक शिक्षक के व्यक्तित्व के सभी आयाम शामिल हैं, जैसे ज्ञान का विस्तार, शिक्षण कौशल और शिक्षक का व्यवहार जिसमें उसकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता शामिल है। हालाँकि असंख्य डिग्रियों और उच्च प्रोफ़ाइल व्यक्तित्व वाले शिक्षक को एक अच्छा शिक्षक नहीं बनाया जा सकता है। प्राथमिक गुण जो बहुत अंतर पैदा करता है वह है कक्षा में अंत:क्रिया और उसका/उसकी शिक्षक जैसा व्यवहार। उसका व्यवहार न केवल एक व्यक्ति के रूप में बल्कि एक शिक्षक के रूप में भी मुख्य रूप से उसके भावनात्मक व्यवहार से नियंत्रित होता है, जो बदले में उसके पास मौजूद भावनात्मक बुद्धिमत्ता की डिग्री पर निर्भर करता है।

एक भावनात्मक रूप से सक्षम शिक्षक किसी भी शैक्षिक कार्यक्रम और उद्यम का दिल और आत्मा होता है। सीखना आनंद बन जाता है; छात्र ड्रॉपआउट कम हो जाते हैं और बच्चे केवल भावनात्मक रूप से बुद्धिमान शिक्षकों की उपस्थिति और सक्षम मार्गदर्शन में सफलता की आशा के माध्यम से असफलताओं को कम करते हैं। अक्सर शिक्षक उन स्थितियों से निपटने, दूसरों के साथ संवाद करने के लिए संघर्ष करते हैं जहां शिक्षण केवल सामग्री और पाठ्यक्रम के ज्ञान को विकसित करने के बारे में नहीं है बल्कि मानव अंतर के विभाजन के बारे में जोड़ने के बारे में होता है। हम समझने के लाभों की कल्पना कर सकते हैं। हालाँकि व्यक्तित्व प्रभावित करता है कि हम प्रत्येक को कैसे पढ़ाते हैं और बातचीत करते हैं। कैसे हमारे छात्रों के व्यक्तित्व पूर्वाग्रह प्रत्येक शिक्षार्थी को प्रभावित करते हैं और प्राधिकरण के साथ बातचीत करते हैं। इसलिए छात्र शिक्षकों के लिए भावनात्मक बुद्धि होना आवश्यक है क्योंकि उन्हें विभिन्न प्रकार के छात्रों, अभिभावकों और समाज के अन्य लोगों के साथ बातचीत करनी होती है।

भावनात्मक बुद्धि:- कूपर और सवाफ(1997) इमोशनल इंटेलिजेंस को मानव ऊर्जा, सूचना, कनेक्शन और प्रभाव के स्रोत के रूप में भावनाओं की शक्ति और कौशल को समझने, समझने और प्रभावी ढंग से लागू करने की क्षमता के रूप में परिभाषित करते हैं। मेयर और सालोवी (1993) भावनात्मक बुद्धिमत्ता को परिभाषित करते हैं, अपनी और दूसरे की भावनाओं और भावनाओं को उनके बीच भेदभाव करने और किसी की सोच और कार्रवाई को निर्देशित करने के लिए इस जानकारी का उपयोग करने की क्षमता के रूप में। भावनात्मक बुद्धिमत्ता में भावनाओं को सटीक रूप से देखने, मूल्यांकन करने और व्यक्त करने की क्षमता शामिल है; विचारों तक पहुँचने और/या भावनाओं को उत्पन्न करने की क्षमता जब वे विचारों को सुगम बनाते हैं; भावनाओं और भावनात्मक ज्ञान और बौद्धिक विकास को समझने की क्षमता।

संबंधित शोध की समीक्षा:

श्रीधर और बादी, (2007) ने 'प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावकारिता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता' के स्तर की जांच की थी। **उद्देश्य:** लिंग, आयु और शैक्षिक योग्यता के संबंध में

'शिक्षक प्रभावकारिता और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता' के स्तर का अध्ययन करना। इसने मैसूर दक्षिण के सभी शहरी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों में से 100 प्राथमिक शिक्षकों के सरल यादृच्छिक नमूने का उपयोग किया। अध्ययन के नमूने ने दो मान्य और विश्वसनीय इन्वेंट्री उपकरणों का जवाब दिया। टीचर एफिशिएसी स्केल (टीईएस) और इमोशनल इंटेलिजेंस टेस्ट (ईआईटी)। डेटा विश्लेषण में TES और EIT दोनों पर प्राप्त अंकों के बीच संबंध को मापने के लिए पीयरसन सहसंबंध का उपयोग शामिल था और साधनों के बीच महत्वपूर्ण अंतर की जांच करने के लिए टी-परीक्षण, शिक्षक दक्षता के लिए औसत लेखा शिक्षक दक्षता पर 35 और व्यक्तिगत प्रभावकारिता पर 25 था; दोनों भावनात्मक बुद्धि की 'मध्यम' श्रेणी में आते हैं। **परिणाम:** हालांकि, इस अध्ययन (लिंग, शैक्षिक स्तर) में विचार किए गए दो या स्वतंत्र चरों के संदर्भ में शिक्षक प्रभावकारिता और भावनात्मक भागफल के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। तीसरे स्वतंत्र चर (आयु) के संबंध में एक महत्वपूर्ण अंतर देखा गया है। दुल और मंगल, (2007) ने एक लेख 'इमोशनल इंटेलिजेंस एंड इट्स इम्पोर्टेंस फॉर स्कूल टीचर्स' लिखा था। यह कहते हुए कि एक भावनात्मक रूप से घटक शिक्षक किसी भी शैक्षिक कार्यक्रम और उद्यम का दिल और आत्मा है, इस लेख के लेखक इस बात पर जोर देते हैं कि एक शैक्षिक कार्यक्रम की सफलता और बच्चों के बीच भावनात्मक बुद्धि का विकास भावनात्मक बुद्धि के स्तर पर बहुत कुछ निर्भर करता है। और एक शिक्षक की योग्यता। **उद्देश्य:** स्कूली शिक्षकों के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व का पता लगाना। **निष्कर्ष:** लेखकों द्वारा सुझाया गया निष्कर्ष यह है कि हमें अपने शिक्षक शिक्षा सेवाकालीन और पूर्व-सेवा कार्यक्रमों के पुनर्गठन और पुनर्स्थापन के बारे में गंभीरता से विचार करना होगा और योजना बनानी होगी ताकि वे भावनात्मक बुद्धिमत्ता और भावनात्मक दक्षताओं के समुचित विकास में उपयुक्त परिणाम दे सकें। स्कूल के शिक्षकों के बीच।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व:

शिक्षा छात्र के समग्र विकास को पूरा करने के लिए है; इसमें शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्हें तनाव और शैक्षणिक उत्कृष्टता के अलावा छात्र के भावनात्मक आयामों का भी ध्यान रखना होता है। छात्रों में इसे विकसित करने से पहले शिक्षक को अपनी भावनात्मक बुद्धि के साथ सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए। सांस्कृतिक रूप से हमें अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता है, बल्कि उन्हें परिपक्वता की निशानी के रूप में दबाने का आग्रह किया जाता है तो भावनात्मक रूप से साक्षर होने का यही कारण है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य:

1. मुरादाबाद जिले में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की पुरुष एवं महिला के आधार पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता का पता लगाना।
2. मुरादाबाद जिले में 5 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष से कम के शिक्षण अनुभव के आधार पर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता का पता लगाना।
3. जनता और सरकार के आधार पर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता का पता लगाना। मुरादाबाद जिले के स्कूल।
4. मुरादाबाद जिले में ग्रामीण और शहरी के आधार पर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता का पता लगाना।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाऐं:

1. मुरादाबाद जिले में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता के आधार पर छात्र और छात्रा के बीच कोई अंतर नहीं है।
2. मुरादाबाद जिले के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता के आधार पर पांच साल से ऊपर और पांच साल से कम के शिक्षण अनुभव के बीच कोई अंतर नहीं है।
3. मुरादाबाद जिले के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर आधारित जनता और सरकारी प्रबंधन के बीच कोई अंतर नहीं है।
4. मुरादाबाद जिले के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता के आधार पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच कोई अंतर नहीं है।

शोध अध्ययन की विधि:

शोधकर्ताओं ने भावनात्मक खुफिया पैमाने के बारे में 6 कारकों की पहचान की- आत्म-जागरूकता, सहानुभूति, संबंध, आत्म-विकास और भावनात्मक स्थिरता तैयार की गई। प्रत्येक मद के लिए पाँच सूत्रीय मापनी प्रदान करने वाली मदें विकसित की गईं।

जनसंख्या और न्यादर्श और न्यादर्शन:

मुरादाबाद जिले के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक जनसंख्या को प्रदर्शित करते हैं। आंकडें एकत्रित करने के लिए सीमित समय, धन और अनुमतियों के कारण, इस शोध अध्ययन के आधार पर, हमने सर्वेक्षण पद्धति को चुना क्योंकि यह कम लागत वाली विधि होती है, सामान्यीकरण, अधिक वैध है, लचीलापन है। प्रस्तुत अध्ययन करने के लिए निम्नलिखित चरण जनगणना, क्रॉस-अनुभागीय और अनुदैर्घ्य सर्वेक्षण हैं। सर्वेक्षण विधि चूंकि यह मानकीकृत तकनीक में से एक है और प्रयुक्त उपकरण प्रश्नावली थी इसलिए प्रस्तुत अध्ययन के लिए न्यादर्श सर्वेक्षण को अपनाने का निर्णय लिया गया। प्रस्तुत अध्ययन का प्रतिदर्श 10 विभिन्न विद्यालयों के 100 शिक्षकों का है। 100 शिक्षकों को न्यादर्श का विश्लेषण विभिन्न समूहों जैसे लिंग, स्कूलों के प्रबंधन, क्षेत्र और शिक्षण अनुभव के आधार पर किया गया जिसमें वे काम कर रहे थे।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण:

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ताओं ने आंकड़ा संग्रह के उपकरण के रूप में एक मानकीकृत प्रश्नावली का उपयोग किया है। भावनात्मक बुद्धि में प्रयुक्त मानकीकृत प्रश्नावली ''इमोशनल इंटेलिजेंस इन्वेंट्री'' में 20 कथन शामिल हैं, प्रत्येक कथन के लिए पांच विकल्प दिए गए हैं। अर्थात् पूर्णत: सहमत, सहमत, असहमत, अत्यधिक असहमत तथा अनिर्णीत प्रतिभागियों को पाँच में से किसी एक विकल्प पर टिक करने का निर्देश दिया गया, जो उन पर लागू हो।

आंकड़ों का विश्लेषण, व्याख्या और विवेचन:

विभिन्न विद्यालयों से आँकड़े एकत्र किए गए और 100 प्राथमिक शिक्षकों के उत्तर प्रश्नावली में ही दर्ज किए गए। अध्ययन में बनाए गए उद्देश्य के आधार पर इन प्रतिक्रियाओं की मांग की गई थी। अध्ययन में उल्लिखित परिकल्पना को सत्यापित करने के लिए दूसरे चरण में विश्लेषण को सांख्यिकीय उपचार दिया जाता है। विश्लेषण का विवरण इस प्रकार है।

उद्देश्य-1: मुरादाबाद जनपद के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक की भावनात्मक बुद्धि में अंतर का पता लगाना।

परिकल्पना-1 मुरादाबाद जनपद के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका सं-1

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक की भावनात्मक बुद्धि

क्र.सं.	न्यादर्श	चर	प्रतिशत
1.	100	भावनात्मक बुद्धि	62.0

उपरोक्त तालिका सं.-1 के अनुसार प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक की भावनात्मक बुद्धि को 62.0 प्रतिशत दर्शाती है।

उद्देश्य-2: मुरादाबाद जनपद में प्राथमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला शिक्षकों भावनात्मक बुद्धि में अंतर का पता लगाना।

परिकल्पना-2: मुरादाबाद जनपद में प्राथमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला शिक्षकों भावनात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

तालिका सं.-2

प्राथमिक विद्यालय के पुरुष और महिला के शिक्षक की भावनात्मक बुद्धि

	Number	Mean	S.D.	Mean Difference	SEM	C.R.	Level of Significance
पुरूष	50	31.74	2.54	1.70	0.47	3.39	0.01
महिला	50	30.00	2.22				

उपरोक्त तालिका सं-2 की गणना के अनुसार, टी मान 3.59 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर तालिका टी का मान 2.58 है। चूँकि परिकलित टी मान तालिका से अधिक है, इसलिए हम शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करते हैं तथा पाते है कि प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि में पुरुष और महिलाओं के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है और यह निष्कर्ष निकाला है कि प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक की भावनात्मक बुद्धि में पुरुष और महिलाओं के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। प्राथमिक विद्यालय में महिलाओं की तुलना में पुरुष शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि अधिक दिख रही हैं।

उद्देश्य-3: मुरादाबाद जनपद के सरकारी एवं निजी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि में अंतर का पता लगाना।

परिकल्पना-3: मुरादाबाद जनपद के सरकारी एवं निजी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि में कोई अंतर नहीं पाया जाता है।

तालिका सं.-3

सरकारी एवं निजी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि

	Number	Mean	S.D.	Mean Difference	SEM	C.R.	Level of Significance
सरकारी	50	31.00	2.50	0.34	0.47	0.72	0.05
निजी	50	31.50	2.45				

उपरोक्त तालिका सं.-3 की गणना के अनुसार, टी मान 0.72 है। टी मान सारणी में 0.05 सार्थकता स्तर पर टी मान 1.96 है। परिकलित के अनुसार, टी मान तालिका, टी मान से कम है। इसलिए हम शून्य परिकल्पना को स्वीकार करते हैं कि सरकारी और निजी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि में कोई अंतर नहीं है।

उद्देश्य-4: मुरादाबाद जनपद के ग्रामीण और शहरी प्रथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि में अंतर का पता लगाना।

परिकल्पना-4: मुरादाबाद जनपद के ग्रामीण और शहरी प्रथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका सं.-4

ग्रामीण एवं शहरी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि

	Number	Mean	S.D.	Mean Difference	SEM	C.R.	Level of Significance
ग्रामीण	50	30.60	2.35	0.80	0.47	1.7	0.05
शहरी	50	31.50	2.45				

उपरोक्त तालिका सं.-4 की गणना के अनुसार, टी मान 1.7 है। टी मान सारणी में 0.05 सार्थकता स्तर पर टी मान 1.96 है। परिकलित के अनुसार, टी मान तालिका में टी मान से कम है। इसलिए हम उपरोक्त शून्य परिकल्पना को स्वीकार करते हैं किमुरादाबाद जनपद के ग्रामीण और शहरी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक

बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

उद्देश्य-5: मुरादाबाद जनपद के प्राथमिक विद्यालयों के 5 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष से कम अनुभव वाले शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि में अंतर का पता लगाना।

परिकल्पना-5: मुरादाबाद जनपद के प्राथमिक विद्यालयों के 5 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष से कम अनुभव वाले शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका सं.-5

अनुभव के आधार पर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि

	Number	Mean	S.D.	Mean Difference	SEM	C.R.	Level of Significance
5 वर्ष से अधिक	50	30.60	2.35	0.80	0.47	1.7	0.05
5 वर्ष से कम	50	31.50	2.45				

उपरोक्त तालिका सं-5 की गणना के अनुसार, टी मान 0.72 है। जोकि 0.05 टी मान पर सार्थकता स्तर 1.96 है। परिकलित के अनुसार, टी मान तालिका, टी मान से कम है। इसलिए हम उपरोक्त शून्य परिकल्पना को स्वीकार करते हैं कि 5 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष से कम अनुभव वाले प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक की भावनात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

अध्ययन के परिणाम और निष्कर्ष:

1. मुरादाबाद जनपद में प्राथमिक विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि के बीच महत्वपूर्ण अंतर पाया गया है।
2. मुरादाबाद जनपद के प्राथमिक विद्यालय के पांच साल से ऊपर और पांच साल से कम के शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि में कोई अंतर नहीं पाया गया है।
3. मुरादाबाद जनपद के सरकारी और निजी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि के बीच कोई अंतर नहीं पाया गया है।
4. मुरादाबाद जनपद के ग्रामीण एवं शहरी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि के बीच कोई अंतर नहीं या गया है।

भावी शोध हेतु सुझाव:

प्रस्तुत शोध समस्या से सम्बन्धि भावी शोधार्थियों के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए गए हैं-

1. भावनात्मक बुद्धि डी.ईएल.एड. और बी.एड. पाठ्यक्रम का एक हिस्सा हो सकता है।
2. डी.एल.एड. और बी.एड. प्रशिक्षण शिक्षकों या छात्र शिक्षकों के भावनात्मक विकास के लिए शोध कार्य किया जा सकता है।
3. उक्त समस्या से सम्बन्धित अध्ययन माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों पर किया जा सकता है।
4. इसी प्रकार का अध्ययन राज्य के विभिन्न जिलों में किया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:-

- Allen, Phillips, D.; Carlisle, Cynthia S.; Hautala, Robert; Larson, Richard; (1985), "Personality Traits and Teacher-Student behaviour in physical education", Journal: Journal of Educational Psychology, August; Volume 77(4).
- Amritha, M. Lecturer in Psychology, Savitha College of Nursing, Chennai, Dr. S. Kadhivaran, Senior Lecturer in Psychology, Directorate of Distance of Education, Annamalai University, Tamilnadu (2006), "Influence of Personality on Emotional Intelligence of Teachers", Edutracks, Vol-05, No. 12, August 2006.
- Bansibihari, Professor Pandit, Lecturer (Retd.) College of Education, Dhule, Prof. Lata Surwade, Lecturer, College of Education, Navapur, "The effect of Emotional Maturity on Teacher Effectiveness" (2006), Edutracks, Vol-06, No. 1, September (2006).
- Dhull, Dr. Indira, Head of the Department, Education Department, M.D. University, Rohtak, Shubra M, Principal, CRS College of Education, Noida (2005). "Emotional Intelligence, its significance for School Teachers". Edutracks, Vol-04, No. 11, July 2005.
- http://www.books.google.co.in
- http://www.ntlf.com
- http://www.sciencedirect.com